बिजली आपूर्ति में बाधक बने 'कटियाबाज' को पहचानें

मधेपुरा | निज संवाददाता

जिला सहित पूरे सूबे और देश भर में सुचारू और पर्याप्त बिजली आपूर्ति में 'कटियाबाज' (बिजली करने और कराने वाले) बाधक बने हुए हैं। यही वजह है कि न तो उपभोक्ताओं को पर्याप्त और सुचारू बिजली मिलती है और न ही सरकार को पूरा राजस्व। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित टेली फिल्म 'कटियाबाज' ने यही संदेश दिया।

इस टेली फिल्म का प्रसारण निदान और कट्स इंटरनेशनल के सौजन्य से बिजली विभाग के अधिकारियों ,जनप्रतिनिधियों और शहरवासियों के बीच शनिवार को कराया गया।वस्तुतः

टेली फिल्म देखते शहरवासी।

यह टेली फिल्म कानपुर शहर पर आधारित है , लेकिन यह समस्या बिहार सहित पूरे उत्तर भारत में है। टेली फिल्म में दिखाया गया कि निजी और सरकारी बिजली मिस्त्री और विभाग की मिलीभगत से बिजली की चोरी होती है। यहीं नहीं जब केसको (कानपुर इलेक्ट्रिसिटी कॉरपोरेशन) की निदेशक आईएएस रितु महेश्वरी नकेल कसने का प्रयास करती हैं तो दलालों और कटियाबाज साजिश करते हैं। एक जनप्रतिनिधि द्वारा निदेशक के साथ न सिर्फ दुर्व्यवहार किया जाता है, बल्कि चुनाव के बाद उनका तबादला भी करा दिया जाता है। तबादले के बाद बिजली चोरी से संबंधित सभी फाइलें बंद हो जाती हैं। टेली फिल्म में दर्शाया गया कि बिजली चोरी में कैसे-कैसे लोग भी शामिल हैं।

मौके पर ईई सुदर्शन राम ने भी जानकारी दी कि जिले में कटियाबाज सक्रिय हैं। उनके कारण ही सरकार और विभाग को 40 प्रतिशत राजस्व की हानि हो रही है।

इस मौके पर बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता सुदर्शन राम, नगर परिषद मुख्य पार्षद विशाल कुमार बबलू, उपमुख्य पार्षद रामकृष्ण यादव, कार्यपालक अभियंता जयनारायण, अनिल कुमार यादव,राज कुमार यादव, सियाराम यादव, वार्ड पार्षद ध्यानी यादव, विनीता भारती,अभिलाषा देवी, दुखा महतो सहित शहर के अन्य गणमान्य और आम उपभोक्ता भी मौजूद थे। मौके पर निदान के मनीष कुमार, कट्स इंटनेशनल के आशुतोष कुमार, धर्मेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे। मंच संचालन पी यदुवंशी ने किया।

रोज 15 डिफॉल्टरों की कटेगी बिजली

मधेपुरा। बिजली चोरी पर आधारित और राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित टेली फिल्म 'कटियाबाज' से बिजली विभाग ने भी सीख ली है। विभाग के कार्यपालक अभियंता सुदर्शन राम की अध्यक्षता में शनिवार को अधिकारियों के साथ हुई बैठक मे कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। राजस्व वसूली में काफी पिछे चल रहा विभाग ने निर्णय लिया है कि सोमवार से इस अभियान में तेजी लायी जायेगी। बिजली बिल वसूली की रफ्तार बढ़ाने के साथ-साथ डिफॉल्टर उपभोक्ताओं की बिजली कनेक्शन काटी जायेगी। सभी जेई को प्रतिदिन कम से कम 15 बिजली कनेक्शन काटने का लक्ष्य दिया गया है। ईई सुदर्शन राम ने स्पष्ट किया कि छठ के बाद बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ तेज अभियान चलाया जायेगा। बैठक में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय औद्योगिक कनेक्शन के संबंध में लिया गया। राजस्व अधिकारी की अध्यक्षता में एक 3 सदस्यीय टीम गठित की गयी। यह टीम अबतक औद्योगिक कनेक्शन के लिए दिये गये आवेदनों, उनके लंबित रहने के कारणों की समीक्षा कर तीन दिनों के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। **छठ में दुरुस्त रहेगी व्यवस्था :** बैठक में कहा गया कि छठ पर्व को लेकर घाट किनारे बिजली आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त किया जायेगा। ढीले तारों और जोड़ को ठीक किया जायेगा। हर घाट पर बिजली विभाग के दो कर्मचारी तैनात रहेंगे।

विद्युत चोरी पर वृतचित्र प्रदर्शनी आज

संवाद सूत्र, मधेपुरा : विद्युत चोरी के विरूद्ध शहरवासियों को जागरूक करने के लिए निदान एवं कंज्यूमर यूनिट एंड ट्रस्ट सोसायटी द्वारा होटल मिडवे सभागार में कटियाबाज, नामक वृत चित्र का प्रदर्शन शनिवार को किया जायेगा।

यह वृतचित्र कानपुर शहर में दिवालिया हो चुका विद्युत वितरण कम्पनी व शहरवासियों के बीच एक संघर्ष की कहानी पर आधारित होगा।

प्रदर्शन के बाद विद्युत चोरी पर एक खुली परिचर्चा का भी आयोजन होगा। उपरोक्त

विद्युत चोरी के खिलाफ वृतचित्र का प्रदर्शन

संवाद सूत्र, मधेपुरा : निदान एवं कट्स इंटरनेशनल द्वारा शनिवार को बिजली चोरी के विरूद्ध मुहिम छेड़ते हुए कटियाबाज नामक वृत चित्र का प्रदर्शन किया गया। एक होटल के सभागार में आयोजित फिल्म कटियाबाज में कानपुर शहर में दिवालिया हो चुकी विद्युत वितरण कम्पनी व शहरवासियों के बीच एक संघर्ष की कहानी दिखाकर दर्शकों को बिजली चोरी के खामियाजे से अवगत कराया। इस अवसर पर विद्युत कार्यपालक अभियंता सुदर्शन प्रसाद ने जिलेवासियों से आह्वान किया कि न सिर्फ बिजली चोरी को करने वालों को रोकें, बल्कि इसके लिए वातावरण भी तैयार करें। उपस्थित जदयू जिलाध्यक्ष सियाराम यादव, उपमुख्य पार्षद सह राजद नगर अध्यक्ष रामकृष्ण यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल कुमार यादव, लोजपा जिलाध्यक्ष रामकुमार भारती, नगर पार्षद ध्यानी यादव, विनिता भारती आदि ने भी विद्युत चोरी न करने एवं इसके विरूद्ध अभियान में सहभागिता का आह्वान किया। इस अवसर पर एनजीओ के धर्मेन्द्र कुमार, आशुतोष, मनीष कुमार आदि ने भी विचार व्यक्त किये। मंच संचालन पी. यदुवंशी ने किया।